सं.प्रशा./हिं.क./601/हिंदी पखवाडा/2016
कार्यालय, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक(सी.स.)
सीमा सडक भवन, रिंग रोड नारायणा,
दिल्ली छावनी - 110010
दिनांकः 19/08/2016

सेवा में,

प्रभारी अधिकारी
सभी उप-कार्यालय

विषयः हिंदी पखवाडा-2016 के अवसर पर माननीय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक महोदय की ओर से जारी संदेश।

*****

राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता तथा उसके उतरोत्तर प्रयोग में वृद्धि के उद्देश्य से हिंदी दिवस/हिंदी पखवाडे का आयोजन किया जाता है। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सितम्बर माह में आयोजित किए जाने वाले **हिंदी दिवस समारोह** के अवसर पर पढे जाने हेतु आदरणीय प्रधान नियंत्रक महोदय की ओर से जारी किए गए संदेश की प्रति यथा-अपेक्षित कार्रवाई हेतु संलग्न है।

संलग्नः उपरोक्तानुसार।

(अमित कुमार)आ.र.ले.से.
समूह अधिकारी

प्रतिलिपि

प्रभारी अधिकारी
ई.डी.पी. अनुभाग - कार्यालय की वैबसाईट पर अपलोड किए जाने हेतु।

19/8/16

(कृष्ण गोपाल)
सहायक निदेशक(रा.भा.)

सत्यमेव जयते

राजेन्द्र कुमार नायक, भा.र.ले.से.
R.K. Nayak, I.D.A.S.
प्रधान नियंत्रक
Principal Controller

Tel. Off. : 011-25690977
Fax : 011-25690984
Email : cda-br@nic.in

रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (सीमा सड़क)
सीमा सड़क भवन, रिंग रोड़,
दिल्ली कैन्ट–110010

Principal Controller of Defence Accounts (Border Roads)
Seema Sadak Bhawan, Ring Road,
Delhi Cantt -110010

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत एक बहु भाषा-भाषी एवं विविध संस्कृतियों वाला देश है। इन विभिन्नताओं को एक सूत्र में बांधने के लिए हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जिसमें अपनी मौलिकता, सरलता एवं सुबोधता के बल पर जनमानस की संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है। यही कारण है कि हमारे संविधान निर्माताओं नें 14 सितम्बर,1949 हिंदी को हमारी राजभाषा घोषित किया गया जिसके उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हम हिंदी दिवस मनाते हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि हमारे विभाग में हिंदी जानने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सूचना एवं प्रोद्यौगिकी के इस युग में जहां सरकारी काम-काज में कंप्यूटरों के प्रयोग को बढ़ावा मिला है वहीं यूनिकोड़ सोफ्टवेयर के प्रयोग से कंप्यूटरों पर हिंदी में काम करना और भी आसान हो गया है। देश के विकास में अपेक्षित गति के लिए यह नितांत आवश्यक है कि हिंदी सरकारी काम-काज की मूल भाषा बनें। इस संबंध में उन्नीसवीं सदी के कवि श्री भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी की ये पंक्तियां भी उल्लेखनीय हैः-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति के मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटे न हिय़ का शूल।।

मैं आशा करता हूँ कि हम सभी अपना अधिकाधिक सरकारी काम-काज राजभाषा हिंदी में करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे तथा अपने नैतिक एवं संवैधानिक कर्तव्य को सुचारू रूप से निभाएंगे। मैं पुनः हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर आप सभी को इस दिशा में सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिंद।

(आर. के. नायक)